

## मोको लाग्यो रे सतसंगी थारो भाग जाग्यो रे

मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे मोको लाग्यो रे

गली गली हरी चर्चा होवे ,  
जाणो सतगुरु आयो रे ,  
भारत भूमि अमरत बरसे ,  
बहुत ही आनन्द छायो रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे ,  
मोको लाग्यो रे ।

देश देश का हरी जन आया ,  
भारी मेलो लाग्यो रे ,  
मुक्ति का दरवाजा खुली गया ,  
अब तो कलयुग भाग्यो रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे ,  
मोको लाग्यो रे ।

भूल्या भटक्या जीव जो आया ,  
अब तो अवसर आयो रे ,  
तीरथ बरत तो सब ही करिया ,  
अब तो गंगा नहाओ रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे ,  
मोको लाग्यो रे ।

प्रेषक प्रमोद पटेल  
यूट्यूब पर  
1.निमाडी भजन संग्रह  
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा  
9399299349  
9981947823

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21599/title/moko-laagyo-re-satsangi-tharo-bhag-jagaaye-re>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |

